चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय

अप्रैल-जून, 2022

न्यूज़लेटर

हरियाणा की गौरवमयी संस्कृति व ऐतिहासिक धरोहरों को दर्शाता है संग्रहालयः राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का संग्रहालय हरियाणा के परंपरागत जीवन मूल्यों की बहुत बेहतर ढंग से झलक प्रस्तुत करता है। इस संग्रहालय में गौरवमयी संस्कृति व ऐतिहासिक धरोहरों की जानकारी भी मिलती है। हरियाणा के माननीय राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नवस्थापित डॉ. मंगल सेन कृषि विज्ञान संग्रहालय का भ्रमण करने के बाद व्यक्त किए। इस अवसर पर निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता भी उनके साथ उपस्थित रहे।

माननीय राज्यपाल ने कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की अगुवाई में संग्रहालय का दौरा किया। उन्होंने यहां प्रदर्शित कृषि की विकास यात्रा, इस विश्वविद्यालय की विशिष्ट उपलब्धियों के साथ हरियाणवी संस्कृति को प्रदर्शित करने वाले ग्रामीण पुरातन संग्रहालय में बहुत गहरी रूचि दिखाई और यहां प्रदर्शित किए गए पुरातन कृषि यंत्रों, ग्रामीण दिनचर्या की विभिन्न वस्तुओं जैसे रसोई का सामान, बर्तन, वस्त्र, चरखा, बैलगाड़ी आदि को देखा। इनके अलावा उन्होंने त्री-आयामी (थ्री-डी) मॉडल के जरिए दी गई कृषि संबंधी जानकारियों, हरियाणा की गौरवपूर्ण विकास यात्रा के सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक, जन- सांख्कीय आंकडों का बारीकी से अध्ययन किया। उन्होंने आगंतुकों विशेषकर स्कूली बच्चों को कृषि के बारे में जागरूक करने के लिए कृषि विकास यात्रा के त्री-आयामी भिती-चित्रों और विस्तृत व्याख्या के लिए लगाए गए टच-स्क्रीन कियोस्कों की प्रशंसा की। उन्होंने विश्वविद्यालय की शोध, शिक्षा एवं विस्तार से संबंधित लघु वृतचित्र दिखाने के लिए बनाए गए लघु थिएटर का भी अवलोकन किया।

अंतर्वस्तु

खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए ठोस कदम जरूरी: प्रो. बी.आर. काम्बोज	2
खाद्यान उत्पादन में अभूतपूर्व योगदान के लिए याद किए जाते हैं स्वर्गीय डॉ. रामधन सिंह	3
किसानों को समय पर गुणवत्ता पूर्वक बीज उपलब्ध करवाना प्राथमिकता: कुलपति	3
भारत के गौरवपूर्ण इतिहास के निर्माण में महिलाओं का अविस्मरणीय योगदान: कुलपति	4
एचएयू के 19 छात्रों का राष्ट्रीय स्तर के प्रबंधन संस्थानों में हुआ दाखिला	4
पानी की बचत के लिए धान की सीधी बीजाई और फसल विविधिकरण को मिले बढ़ावा: प्रो. बी.आर. काम्बोज	5
हकृवि और गुजवि शिक्षा व अनुसंधान में करेंगे एक दूसरे का सहयोग	5
हकृवि के छात्र को मिली 3 करोड़ की छात्रवृति ऑस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में करेंगे पीएचडी	6
कृषि अवशेष ऊर्जा आपूर्ति का बेहतर विकल्प हो सकते हैं साबित: प्रो. बी.आर. काम्बोज	6
एचएयू का छात्र मोहित दो करोड़ की फैलोशिप के साथ अमेरिका में करेगा पीएचडी	7
एचएयू के तीन छात्रों का आस्ट्रेलिया में ड्यूल डिग्री के लिए चयन	7
किसान की समस्या हमारी समस्या, ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय से जुड़कर उठाएं लाभ: प्रो. बी.आर. काम्बोज	8
तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने में विस्तार विशेषज्ञों का अहम योगदान: कुलपति	8
अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योग प्रचारकों को किया गया सम्मानित	9
रिया ने कराटे में सिल्वर जीत किया विश्वविद्यालय का नाम रोशन	9
संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रशिक्षण में सहभागिता	10
संक्षिप्त समाचार	10-11

संरक्षक

प्रो. बी.आर. काम्बोज
कुलपति

संपादक

डॉ. संदीप आर्य
मीडिया सलाहकार

मुख्य संपादक

डॉ. जीतराम शर्मा
अनुसंधान निदेशक

University Publication No.
CCSHAU/PUB#18-0026-2022-12-2

खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए ठोस कदम जरूरी: प्रो. बी.आर. काम्बोज

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय में मक्का पर 65वीं कार्यशाला को बतौर मुख्यातिथि संबोधित करते हुए कहा कि निरंतर बढ़ रही जनसंख्या को ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के चलते खाद्य एवं पोषण प्रदान करना एक गंभीर चुनौती है जिससे निपटने के लिए ठोस प्रयास करने की जरूरत है। इस तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना और चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किया गया।

प्रो. काम्बोज ने कहा कि वर्तमान समय में देश में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा मुख्यरूप से गेंहू और चावल पर निर्भर है जबकि इस चुनौती से निपटने में मक्का बहुत महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। विश्व स्तर पर भी मक्का, गेंहू और चावल के बाद तीसरी महत्वपूर्ण अनाज की फसल है लेकिन उत्पादन और क्षेत्रफल में भारत का क्रमश: चौथा और छठा स्थान है। उन्होंने कहा कि यह बहुत संतोष का विषय है कि हाल के वर्षों में भारत की फसल प्रणालियों में मक्का को भी स्थान दिया जाने लगा है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के उप महानिदेशक (फसल विज्ञान) डॉ. टी.आर. शर्मा ने वैज्ञानिकों से देश में मक्का का उत्पादन बढ़ाने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि मक्का दाने व चारे की मुख्य फसल है। जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए बेबीकार्न, स्वीटकार्न, पॉपकार्न व उच्च प्रोटीन के लिए उपयुक्त मक्का की किस्में विकसित करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के सहायक महानिदेशक (बीज) डॉ. डी.के. यादव ने मुख्य संभाषण देते हुए वैज्ञानिकों से मक्का की उन्नत किस्मों का अधिकाधिक मात्रा में गुणवत्ताशील बीज तैयार करने का आह्वान किया। इस दौरान भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. सुजय रक्षित ने मक्का अनुसंधान पर वार्षिक रिर्पोट प्रस्तुत की।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने मक्का की खेती को बढ़ावा देने के लिए किए गए अनुसंधानों पर प्रकाश डाला और कहा कि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र करनाल द्वारा मक्का के 15 सिंगल क्रॉस हाइब्रिड विकसित किए गए हैं जिनमें से नौं हाइब्रिड का राष्ट्रीय स्तर पर खेती के लिए अनुमोदन हुआ है। प्रधान वैज्ञानिक व कार्यशाला के नोडल ऑफिसर डॉ. रमेश कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया व डॉ. अंजु सहरावत ने मंच का संचालन किया। इस अवसर पर डॉ. ओ.पी. चौधरी, डॉ. मेहर चंद कम्बोज, डॉ. नरेन्द्र सिंह, विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, अधिकारी, शिक्षक, गैरशिक्षक कर्मचारी, छात्र व किसान उपस्थित थे।

उत्कृष्ट कार्य के लिए वैज्ञानिकों को सम्मानित किया

इस मौके पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (मक्का) की वार्षिक रिर्पोट विमोचित की गई जबकि मक्का अनुसंधान में जीवनप्रयंत उपलब्धियों के लिए डॉ. साई दास को लाइफ टाइम एचीमेंट अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त मक्का पर श्रेष्ठ कार्य करने के लिए डॉ. जी.सी. महला, डॉ. ऋषि पाल, डॉ. धर्मपाल और डॉ. महेन्द्र सिंह को भी सम्मानित किया गया।

खाद्यान उत्पादन में अभूतपूर्व योगदान के लिए याद किए जाते हैं स्वर्गीय डॉ. रामधन सिंह

सुप्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक राव बहादुर डॉ. रामधन सिंह को देश के खाद्यान उत्पादन में अभूतपूर्व योगदान देने के लिए आज भी बड़े सम्मान के साथ याद किया जाता है। हरियाणा और पंजाब राज्यों में हरित क्रांति अवधि के दौरान अनाज के उत्पादन और उत्पादकता में जो उपलब्धियां प्राप्त की गईं वे उनके द्वारा स्थापित फसल सुधार कार्यक्रमों की मजबूत नींव के कारण ही संभव हो सका है। ऐसे महान वैज्ञानिकों और उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्वर्गीय राव बहादुर डॉ. रामधन सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इस महान वैज्ञानिक ने विभिन्न फसलों की नई किस्में इजाद कर भारत ही नही अपितु दुनिया में अलग पहचान बनाई है। उनके द्वारा तैयार की गई बासमती चावल की 370 किस्म की बदौलत आज भारत बासमती चावल का सबसे बड़ा निर्यातक है। उन्होंने कहा डॉ. रामधन सिंह ने अपने जीवन में गेहूं, चावल, जौ तथा दलहनों की 25 उन्नत किस्मों को विकसित किया जिनके परिणामस्वरूप भारतीय उपमहाद्वीप में खाद्यान्न उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई।

प्रो. काम्बोज ने डॉ. रामधन सिंह को श्रद्धांजलि दी तथा कहा कि वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए और कड़ी मेहनत व लगन के साथ कृषि की ज्वलंत समस्याओं को लेकर अनुसंधान कार्य करते हुए देश को खाद्यान्न तथा पोषण सुरक्षा प्रदान करने में योगदान देना चाहिए।

इस अवसर पर गोविंद वल्लभ पंत कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर के प्रोफैसर डॉ. जे.पी. जयसवाल ने कहा विश्व के मुकाबले भारत के पास केवल 2 प्रतिशत भूमि है जबकि जनसंख्या का हिस्सा 17.6 प्रतिशत है। ऐसे में जैविक व अजैविक दबावों के चलते इतनी अधिक जनसंख्या को खाद्यान्न सुरक्षा देना बहुत बड़ी चुनौती है।

इससे पूर्व कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. एस.के. पाहुजा ने डॉ. रामधन सिंह द्वारा कृषि क्षेत्र में दिए गए अभूतपूर्व योगदान की विस्तृत जानकारी दी। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

किसानों को समय पर गुणवत्ता पूर्वक बीज उपलब्ध करवाना प्राथमिकता: कुलपति

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फार्म निदेशालय में 84 लाख रूपए की लागत से सीड प्रोसैसिंग प्लांट व कंट्रोल रूम बनाया गया है। कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने इस नए प्लांट का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने बताया कि किसानों को समय पर गुणवत्ता पूर्वक बीज उपलब्ध करवाना हमारी प्राथमिकता है। नया सीड प्रोसैसिंग प्लांट अत्यंत आधुनिक व स्वचालित है जिसकी क्षमता 40 क्विंटल प्रति घण्टा है। यह प्लांट डस्ट ऐस्पीरेशन सिस्टम से युक्त होने के कारण सीड प्रोसेसिंग के दौरान सीड प्रोसैसिंग हॉल में धूल-मिट्टी नहीं होगी। उन्होंने कहा नए सीड प्रौसेसिंग प्लांट से अब कम समय में जयादा बीज तैयार किया जा सकेगा और किसानों को समय पर इसकी आपूर्ति हो सकेगी।

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने बताया कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय किसानों को रबी व खरीफ की विभिन्न फसलों के उच्च गुणवत्ता के बीज उपलब्ध करवा रहा है। केवल फार्म निदेशालय में ही हर साल करीब 10 हजार क्विन्टल बीज तैयार किया जाता है।

फार्म निदेशक डॉ. एस.के. धनखड़ ने बताया कि इस सीड प्रोसेसिंग प्लांट में मुख्त: गेंहू, जौ, सरसों, चना, मूंग, ग्वार, बाजरा इत्यादि फसलों का बीज तैयार होगा। इस नए प्लांट की मदद से विश्वविद्यालय कम समय में अधिक बीज किसानों को मुहैया करवा पाएगा। यह प्लांट हरियाणा स्टेट सीड स्टीफिकेशन एजेंसी (एच.एस.एस.सी.ए) से प्रमाणित है।

भारत के गौरवपूर्ण इतिहास के निर्माण में महिलाओं का अविस्मरणीय योगदानः कुलपति

भारत के गौरवपूर्ण इतिहास के निर्माण में महिलाओं का योगदान अविस्मरणीय है। देश के स्वतंत्रता संग्राम में जिस अदम्य साहस का उन्होंने परिचय दिया उसने भारत माता के गौरव को बढ़ाया है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में पंचनद शोध संस्थान, अध्ययन केन्द्र, हिसार के सहयोग से विश्वविद्यालय द्वारा 'भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं का योगदान' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

कुलपति ने कहा भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं ने यह सिद्ध कर दिया कि वे एक ऐसी राष्ट्रीय शक्ति हैं जो राष्ट्र की स्वाधीनता और अधिकारों के लिए सभी बंधनों से मुक्त होकर बड़ी से बड़ी शक्ति से लोहा ले सकती हैं। उन्होंने इस राष्ट्रीय आंदोलन में अपने आपको विविध आयामों के साथ प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा स्वाधीनता संग्राम के आरंभ से लेकर अंत तक महिलाओं ने शांतिपूर्ण आंदोलनों से लेकर क्रांतिकारी गतिविधियों में सक्रियता से भाग ही नहीं लिया अपितु अपने प्राणों की आहूति तक दी।

दयानंद महाविद्यालय के एसोसिऐट प्रोफेसर एवं इतिहासकार डॉ. महेन्द्र सिंह ने मुख्य वक्ता के तौर पर बोलते हुए कहा कि असंख्य महिलाओं के स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने के कारण ही आजादी का यह महान आंदोलन सक्रिय बन सका। उन्होंने कहा स्वतंत्रता संग्राम में हरियाणा की महिलाओं की भूमिका भी कम नहीं रही है। इनमें कैथल की महारानी महताब कौर, लक्ष्मी, चांद बाई, लज्जावती, कमलादेवी, मन्नी देवी, उषा देवी, राधा देवी, लक्ष्मी तायल इत्यादि अनेकों महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार और गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू महता का इस कार्यक्रम के आयोजन में योगदान रहा। मंच का संचालन डॉ. मोहित ने जबकि धन्यवाद प्रस्ताव पंचनद शोध संस्थान, अध्ययन केन्द्र के उपाध्यक्ष डॉ. अवनीश वर्मा ने किया। पंचनद शोध संस्थान, अध्ययन केन्द्र के संरक्षक श्री जी.सी. बंसल भी मंच पर उपस्थित रहे। इस अवसर पर हरियाणा शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. जगबीर सिंह, लुवास के कुलपति प्रो. विनोद कुमार वर्मा सहित विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, कर्मचारी व भारी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

एचएयू के 19 छात्रों का राष्ट्रीय स्तर के प्रबंधन संस्थानों में हुआ दाखिला

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 19 छात्रों का राष्ट्रीय स्तर के प्रबंधन संस्थानों में दाखिला हुआ है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए बड़े गर्व की बात है कि एक साथ इतने विद्यार्थियों का आईआईएम, इरमा, नियाम व नारम जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में चयन हुआ है। इसके लिए उन्होंने विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम व विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों द्वारा दिया गया मार्गदर्शन व विद्यार्थियों का निरंतर प्रयास विश्वविद्यालय को नित्त नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है। पिछले कई वर्षों से लगातार विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित संस्थानों में चयन हो रहा है जोकि बड़े गर्व की बात है।

इन विद्यार्थियों का हुआ चयन

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस. के. पाहुजा ने बताया कि इरमा (ग्रामीण प्रबंधन संस्थान, आणंद, गुजरात) में ख्याति, नीलमणि चावला, प्रिया, शशि, अंकुश, शिवम, सुमित, हार्दिक तथा पारस का चयन हुआ है। इसी प्रकार कोमल व सुरेश का नियाम (राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान, जयपुर) में तथा श्रेया गर्ग व पूनम का नारम (राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी, हैदराबाद) में दाखिला हुआ है। इनके अलावा आईआईएम (भारतीय प्रबंधन संस्थान) में चयनित होने वाले विद्यार्थियों में विजय, आशीष मान, दीपक जांगड़ा, कपिल, नितीश जांगड़ा व अंकित शामिल हैं। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि आईआईएम में चयनित होने वाले विद्यार्थी मध्यमवर्गीय व किसान परिवारों से संबंध रखते हैं। विश्वविद्यालय का नेहरू पुस्तकालय विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित हुआ है। विश्वविद्यालय में स्थापित काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल का भी विद्यार्थियों की इस सफलता के पीछे योगदान रहा है। अतिरिक्त छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अनिल कुमार ढाका ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की नई, सकारात्मक, ऊर्जावान व दूरदृष्टि सोच का ही परिणाम है कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का देश के सबसे बड़े संस्थानों में चयन हुआ है।

पानी की बचत के लिए धान की सीधी बीजाई और फसल विविधिकरण को मिले बढ़ावा: प्रो. बी.आर. काम्बोज

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला (खरीफ) धान की सीधी बीजाई के साथ-साथ खरीफ मौसम में फसल विविधिकरण को किसानों के बीच लोकप्रिय बनाए जाने के आह्वान के साथ संपन्न हुई। कार्यशाला का आयोजन खरीफ फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए किसानों के स्तर पर अपनाए जाने वाली कृषि सिफारिशों को अंतिम रूप देने के लिए किया गया था।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की अध्यक्षता में संपन्न हुई इस कार्यशाला में खरीफ मौसम की अनाज, दलहनों, तिलहनों, चारा, गन्ना, कपास, बाजरा व मक्का फसलों पर 17 सिफारिशें स्वीकृत की गईं। कुलपति ने इसे अहम कार्य बताते हुए वैज्ञानिकों से धान जिसमें सिंचाई के लिए सर्वाधिक पानी इस्तेमाल होता है, के लिए पानी की बचत हेतु उपयुक्त प्रौद्योगिकी विकसित करने और पानी की कम आवश्यकता वाली धान की किस्मों की पहचान करने का आह्वान किया। इसके साथ ही उन्होंने पानी की बचत के लिए धान की सीधी बीजाई और फसल विविधिकरण को बढ़ावा दिए जाने पर बल दिया। उन्होंने कहा इस कार्यशाला में धान की बीजाई के समय को लेकर बहुत उम्दा सिफारिश हुई है। कृषि विशेषज्ञों को इस प्रकार की आक्समिक योजना तैयार रखनी चाहिए ताकि विकट परिस्थिति में किसान को आर्थिक हानि न उठानी पड़े। उन्होंने प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से कपास की फसल को गुलाबी सुण्डी से बचाने के लिए तैयार की गई कार्य योजना और तना छेदक कीट की रोकथाम के लिए जैविक एजेंट की सिफारिश किए जाने की सराहना की तथा जैविक कीटनाशकों के लिए जैव प्रयोगशालाओं को सुदृढ़ करने को कहा। उन्होंने पोषण सुरक्षा के लिए बाजरा, रागी जैसे मोटे अनाजों (मिल्लट्स) की खेती और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य किए जाने पर भी जोर दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि एंव किसान कल्याण विभाग हरियाणा के महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह ने की। उन्होंने कार्यक्रम में ऑनलाइन जुड़ते हुए कहा कि खरीफ फसलों के लिए उपर्युक्त सिफारिशों को यथाशीघ्र किसानों तक पहुंचाया जाना चाहिए। उन्होंने वैज्ञानिकों से धान की पराली के प्रबंधन की समस्या से निपटने के लिए स्ट्रा डिकम्पोजर की उपयोगिता परखने और उसे उपयुक्त पाए जाने पर प्रदेश के किसानों को इसका लाभ दिलाने को कहा। उन्होंने कहा इस वर्ष को विश्व अंतरराष्ट्रीय मिल्लट वर्ष के रूप में मना रहा है। ऐसे में पोषण सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में मोटे अनाज (मिल्लट्स) की खेती को बढ़ावा मिलना चाहिए।

हकृवि और गुजवि शिक्षा व अनुसंधान में करेंगे एक दूसरे का सहयोग

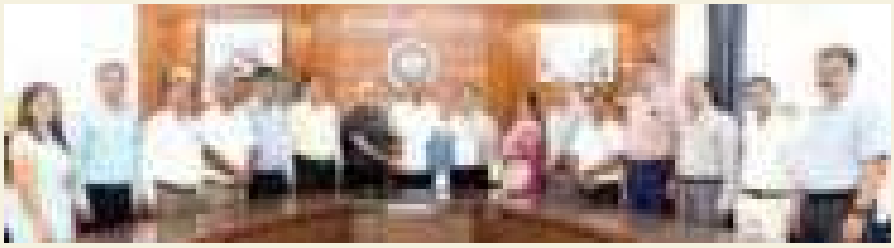

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय तथा गुरू जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार शिक्षा व अनुसंधान क्षेत्रों में एक-दूसरे का सहयोग करेंगे। इसके लिए इन दोनों विश्वविद्यालयों के बीच एक अनुबंध हुआ है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता व स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. के.डी. शर्मा जबकि गुरू जंभेश्वर विश्वविद्यालय की ओर से रजिस्ट्रार डॉ. अवनीश वर्मा व वैज्ञानिक डॉ. विनोद छोक्कर ने इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किए । कुलपति ने कहा कि इस अनुबंध के अंतर्गत दोनों विश्वविद्यालयों के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी परस्पर एक दूसरे संस्थान में शोध कार्य कर सकेंगे। इससे शोधकर्त्ताओं को दोनों संस्थानों की प्रयोगशालाओं एवं अन्य संसाधनों को प्रयोग करने का लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि इस अनुबंध के तहत दोनों संस्थानों के प्राध्यापक एमएससी व पी-एच.डी. करने वाले छात्रों को संयुक्त रूप से मार्गदर्शन प्रदान कर सकेंगे।

प्रो. बी.आर. काम्बोज जोकि गुरू जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति का पदभार भी संभाल रहे हैं, ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अपने शैक्षणिक तथा अनुसंधान कार्यक्रमों को विस्तार देने के लिए देश-विदेश के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग बढ़ा रहा है और आपसी रूचि के क्षेत्रों की पहचान करके आगे बढ़ रहा है।

हकृवि के छात्र को मिली 3 करोड़ की छात्रवृति ऑस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में करेगा पीएचडी

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बागवानी विभाग के छात्र हैप्पी ने भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय से तीन करोड़ रुपये से अधिक की प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रवासी छात्रवृत्ति हासिल की है जिसके तहत वह ऑस्ट्रेलिया की विश्व प्रसिद्ध वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में पीएचडी करेगा।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने छात्र हैप्पी की इस उपलब्धि के लिए प्रशंसा की। विश्वविद्यालय लगातार विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास व अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर देने में प्रयासरत है। इस राष्ट्रीय प्रवासी छात्रवृत्ति के तहत हैप्पी को 3 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मिलेगी जिसमें ट्यूशन फीस, चिकित्सा बीमा, रखरखाव भत्ते,चार साल के शोध कार्य के लिए वार्षिक आकस्मिकता भत्ता के साथ आने-जाने का हवाई किराया और वीजा शुल्क भी शामिल है। टोहाना के नगला गांव में पले बढ़े हैप्पी ने बताया कि उसके माता-पिता के प्रोत्साहन के फलस्वरूप उसे जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती रही है। हैप्पी ने विश्वविद्यालय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में अपनाए जा रहे उच्च शैक्षणिक व अनुसंधान मानकों का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्हे विश्वविद्यालय द्वारा कृषि के विकास और कृषि क्षेत्र में नवीन दृष्टिकोणों के अनुप्रयोग के माध्यम से किसानों के लाभ के लिए काम करने के लिए हमेशा प्रोत्साहित और प्रेरित किया जाता रहा है।

'कृषि अवशेष ऊर्जा आपूर्ति का बेहतर विकल्प साबित हो सकते हैं'

विश्वविद्यालय के अक्षय और जैव-ऊर्जा अभियान्त्रिकी विभाग और ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, कनाडा के सयुंक्त तत्वावधान में सतत फसल अवशेष प्रबंधन में जैव-रूपांतरण प्रौद्योगिकियों की आपूर्ति श्रृंखला की भूमिका विषय पर वेबिनार आयोजित किया गया। वेबिनार में बतौर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कृषि अवशेष देश की ऊर्जा मांग की आपूर्ति का एक बेहतर विकल्प साबित हो सकते हैं। इनके उचित प्रबंधन से हरित ऊर्जा प्राप्त होने के साथ पर्यावरण प्रदूषण की समस्या में भी कमी आएगी। इस वेबिनार का आयोजन केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित फसल अवशेष प्रबंधन के लिए तकनीकी-आर्थिक रूप से व्यवहार्य बायोमास रूपांतरण प्रौद्योगिकियों की पहचान नामक स्पार्क परियोजना के तहत किया गया था।

कुलपति ने कहा कि बायोमास वैकल्पिक अक्षय ऊर्जा स्त्रोत के रूप में बहुत महत्वपूर्ण है। भारत में कृषि अवशेष के रूप में प्रचुर मात्रा में बायोमास उपलब्ध है लेकिन इसका सही ढंग से निस्तारण नहीं हो रहा है। उदहारण के लिए धान की पराली को जलाया जा रहा है जबकि इसके सही प्रबंधन से हरित ऊर्जा प्राप्त की जा सकती है।

उन्होंने कहा आज पराली या अन्य कृषि अवशेषों के प्रबंधन के लिए मशीनों के रूप में विकल्प उपलब्ध हैं।

ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, कनाडा के एडजंक्ट प्रोफेसर डॉ शाहाबादीन सोखानसंज ने मुख्य संभाषण देते हुए जैव-रूपांतरण प्रौद्योगिकियों और उनके लाभ, वाणिज्यिक जैव-रूपांतरण प्रौद्योगिकी आधारित उद्योगों के सुचारू कामकाज में आपूर्ति श्रृंखला की भूमिका तथा आपूर्ति श्रृंखला कैसे कच्चे माल को सरलतापूर्वक, कम खर्च से अच्छे प्रबंधित तरीके से उपलब्ध कराने में मदद करेगी, के बारे में बताया। डॉ. सोखानसंज जोकि उपरोक्त परियोजना के विदेशी सह-मुख्य अन्वेषक भी हैं, ने खेतों में पराली जलाने से रोकने और इसे किसानों की आय का लाभदायक स्रोत बनाने के बारे में भी प्रकाश डाला।

इससे पूर्व विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय की स्पार्क परियोजना के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। वेबिनार को ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एवं स्पार्क परियोजना के विदेशी मुख्य अन्वेषक डॉ. एंथनी लाऊ और कृषि अभियान्त्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा ने भी संबोधित किया।

एचएयू का छात्र मोहित दो करोड़ की फैलोशिप के साथ अमेरिका में करेगा पीएचडी

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र मोहित करहाना का चयन अमेरिका की शीर्ष यूनिवर्सिटियां में से एक यूनिवर्सिटी ऑफ केंटुकि, लेक्सिगंटन, युएसए में हुआ है। वह वहां डॉ. प्रदीप कचरू के दिशा-निर्देशन में पादप रोग विज्ञान विषय में पीएचडी करेंगे जिसके दौरान उन्हे लगभग 1,70,000 रूपये प्रतिमाह छात्रवृति के साथ-साथ ट्यूशन व छात्र स्वास्थ्य बीमा का लाभ भी मिलेगा।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने मोहित के चयन पर बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और कहा कि मोहित का अमेरिका के शीर्ष विश्वविद्यालय में चयन हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अपनाए जा रहे उच्च शैक्षणिक व अनुसंधान मानकों का प्रतीक है। विश्वविद्यालय लगातार विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास व अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर देने में प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि हाल ही के वर्षों में विश्वविद्यालय के अनेक विद्यार्थी विश्व के अनेक प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों में उच्च शैक्षणिक डिग्री हासिल करने के लिए जा चुके हैं। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सुरेन्द्र कुमार पाहुजा ने भी मोहित की कड़ी मेहनत की सराहना करते हुए उन्हे भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। गुरूग्राम के छोटे से गांव लाखुवास में पले बढ़े मोहित ने बताया कि उनकी माता एवं पिता के संस्कारों व प्रोत्साहन के फलस्वरूप उन्हे आगे बढने की प्रेरणा मिलती रही है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने के दौरान उन्हे पादप रोग वैज्ञानिक डॉ. विनोद मलिक व मौसम विज्ञान विभाग के डॉ. सुरेन्द्र सिंह से हर संभव सहायता मिली। उनके एडवाइजर डॉ. विनोद मलिक ने मोहित की अनुसंधान कार्यों में रूचि को देखते हुए उसे कृषि अनुसंधान की नवीनतम तकनीकों से अवगत कराया जिसका उसके चयन में महत्वपूर्ण योगदान रहा। मोहित विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत है।

एचएयू के तीन छात्रों का ऑस्ट्रेलिया में ड्यूल डिग्री के लिए चयन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के तीन विद्यार्थियों का ऑस्ट्रेलिया की वैस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में ड्यूल डिग्री प्रोग्राम के तहत पीएचडी डिग्री के लिए चयन हुआ। चुने गए इन विद्यार्थियों में खाद्य और पोषण विभाग की मंतव्या बिश्नोई, कीट विज्ञान विभाग की सिंधु और मृदा विज्ञान विभाग के चरण सिंह शामिल हैं। इन विद्यार्थियों को वैस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी की ओर से संपूर्ण ट्यूशन फीस में छूट के साथ ही सालाना 30,000 आस्ट्रेलियन डॉलर की छात्रवृति दी गई है।

आस्ट्रेलिया प्रस्थान करने से पूर्व विद्यार्थियों ने प्रो. बी.आर. काम्बोज से भेंट की और उन्हे अंतरराष्ट्रीय मंच पर शोध हेतू अवसर प्रदान करने के लिए उनका आभार जताया। कुलपति ने भी इन विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। प्रो. काम्बोज ने कहा की विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और वैज्ञानिकों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नवीन तकनीकों में प्रशिक्षित करने के प्रयास में विश्व प्रसिद्ध अनेक विश्वविद्यालयों व शोध संस्थानों के साथ अनुबंध किए हैं। इसी कड़ी में आस्ट्रेलिया की वैस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के साथ भी गत वर्ष अनुबंध हुआ था। अब एचएयू के विद्यार्थी लगातार विश्व के शीर्ष वरियता प्राप्त विश्वविद्यालयों में शिक्षा ग्रहण करने के लिए जा रहे हैं। छात्र चरण सिंह वैस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में डॉ. ऊफे नीलसन के मार्गदर्शन में बैक्टीरिया आइसोलेट्स पर काम करके पौधों को अधिक पोषक तत्व प्रदान करने और सूखे के तनाव को कम करने में उनकी भूमिका का पता लगाएंगे। छात्रा मंतव्या बिश्नोई वहां के वैज्ञानिक डॉ. विजय जयसेना के मार्गदर्शन में आस्ट्रेलियन मधुमक्खी के शहद की गुणवत्ता का विशलेषण कर उत्तम शहद वाली मधुमक्खी तथा किस शहद को लंबे समय तक संरक्षित रखा जा सकता है, का पता करेगी। इसी प्रकार छात्रा सिंधु वैज्ञानिक डॉ. शेली पश्वर के मार्गदर्शन में लैंडस्केप फूलों की विविधता का परागणकर्ताओं के प्रदर्शन पर प्रभाव जानेगी। इस शोध से मधुमक्खियों की कार्य करने की क्षमता को बढ़ाया जा सकेगा जिससे परागण को बढ़ाकर फसलों के उत्पादन में वृद्धि संभव हो सकेगी।

किसान की समस्या हमारी समस्या, ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय से जुड़कर उठाएं लाभ: प्रो. बी.आर. काम्बोज

कृषि विज्ञान केन्द्र, भिवानी व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका विषय कपास उत्पादन में कृषि क्रियाएं तथा बीटी कपास में गुलाबी सुंडी प्रबंधन था। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि रहे। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक निरंतर मेहनत करते हुए विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों और तकनीकों को विकसित करने में जुटे हुए हैं ताकि किसानों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाया जा सके। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय व उससे संबंधित कृषि विज्ञान केन्द्रों से जुड़कर अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

प्रो. काम्बोज ने कहा कि कपास की फसल में किसानों को समस्याओं का सामना ना करना पड़े इसलिए कपास सीजन की शुरूआत से ही विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को लगातार फील्ड में उतारा गया है और वे किसानों की समस्याओं के समाधान में जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि अब वैज्ञानिक किसान के द्वार जाकर उनकी समस्याओं का समाधान करेंगे। उन्होंने कहा कि किसान की मेहनत, वैज्ञानिकों का ज्ञान व सरकार की सुविधा तीनों को मिलाकर काम करने से किसानों का भला होगा। इस दौरान विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कहा कि कपास हरियाणा प्रदेश की एक महत्वपूर्ण नगदी फसल है। इसलिए किसानों को इस फसल में कृषि वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर दी जाने वाली सलाह व कीटनाशकों को लेकर की गई सिफारिशों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। डॉ. अनिल यादव, डॉ. ओमेन्द्र सांगवान, डॉ. करमल मलिक, डॉ. अनिल जाखड़, डॉ. मनमोहन सिंह ने किसानों को कपास फसल से संबंधित व्याख्यान देकर जागरूक किया।

कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र भिवानी के संयोजक डॉ. उमेश शर्मा, डॉ. रमेश यादव, ज्वाइंट डायरेक्टर कॉटन, डॉ. रामप्रताप सिहाग, डॉ. सुनील ढांडा सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी व क्षेत्र के किसान मौजूद रहे। इस अवसर पर कपास संबंधी आधुनिक तकनीकों व कृषि समस्याओं को लेकर एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।

तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने में विस्तार विशेषज्ञों का अहम योगदान: कुलपति

वैज्ञानिकों द्वारा किया गया अनुसंधान कार्य तभी सफल होगा जब उसे धरातल तक पहुंचाया जाए। इसके लिए वैज्ञानिकों को प्रभावशाली विस्तार प्रणाली अपनानी होगी ताकि उनके द्वारा विकसित कृषि तकनीकों का किसान अधिक से अधिक लाभ उठा सकें।

यह आह्वान चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से विस्तार प्रबंधन विषय पर आयोजित किए गए तीन सप्ताह अवधि के रिफ्रेशर कोर्स के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोलते हुए किया।

कुलपति ने कहा वर्तमान समय में सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बहुत विकास हुआ है। इस प्रौद्योगिकी का किसानों के लिए लाभकारी अनुसंधानों को उन तक पहुंचाने में बेहतर उपयोग किया जा सकता है। वैज्ञानिकों और विस्तार विशेषज्ञों को सूचना प्रौद्योगिकी का ज्ञान हासिल कर इस प्रौद्योगिकी को ज्यादा से ज्यादा प्रयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने रिफ्रेशर कोर्स को प्रभावकारी बनाने के लिए इस दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न सत्रों को अंत: संवाद एवं अंत: क्रिया सत्र बनाए जाने पर बल दिया। उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया वे इस कोर्स के दौरान प्राप्त किए ज्ञान व कौशल को व्यवहारिता में लाएं ताकि इसका लाभ किसानों को मिल सके। इस मौके पर कुलपति ने मानव संसाधन प्रबंध निदेशालय की ओर से प्रकाशित 'कम्युनिटी रिपोर्ट ऑन पोटेटो' नामक पुस्तिका का विमोचन किया।

क्षमता संवर्धन पर दिया जाएगा विशेष ध्यान

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक डॉ. मंजू महता ने कहा कि इस रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन शिक्षकों, वैज्ञानिकों व विस्तार विशेषज्ञों के लिए किया गया है ताकि विस्तार प्रबंधन हेतु उनकी क्षमता, ज्ञान व कौशल संवर्धन किया जा सके। इस कोर्स के माध्यम से प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण के लिए नवीनतम पाठ्यक्रम ज्ञान, शिक्षण सामग्री, चयनित विस्तार विधियों के उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। इस कोर्स में कुल 29 वैज्ञानिकों, प्राध्यापकों व विस्तार विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योग प्रचारकों को किया गया सम्मानित

योग अध्यात्मिक अनुशासन एवं अत्यंत सूक्ष्म विज्ञान पर आधारित ज्ञान है जो मन और शरीर के बीच में सामंजस्य स्थापित करता है। यह हमें स्वस्थ रखने के साथ अपने परिवार, समाज और समस्त संसार के साथ एक सूत्र में जुड़े होने की अनुभूति देता है। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे 8वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय और योगा कल्ब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

कुलपति ने कहा योग भारत के कृषि-मुनियों द्वारा विश्व को दिया गया एक अनमोल उपहार है। यह स्वस्थ जीवन जीने की कला व विज्ञान है। इससे हमारी सोच, कार्य, ज्ञान और समर्पण को बल मिलता है जो हमें बेहतर इंसान बनने में सहायक है। प्रतिदिन प्रात: योग करने से हम पूरे दिन आलस्य को दूर करके ऊर्जावान व तनाव मुक्त रह सकते हैं और बीमारियों से बच सकते हैं। उन्होंने कहा मेहनत करके इंसान धन, दौलत व प्रसिद्धी तो हासिल कर सकता है लेकिन मन की शांति व स्वस्थ शरीर योग से ही संभव है।

इससे पूर्व छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने कार्यक्रम में उपस्थित हुए सभी महानुभावों का स्वागत किया और उन्हे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन सह-निदेशक छात्र कल्याण (खेल) डॉ. बलजीत गिरधर ने किया जबकि हकृवि योगा कल्ब के अध्यक्ष एवं मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इस अवसर पर योग अनुदेशक श्री रोहताश ने प्रतिभागियों को आयुष मंत्रालय के प्रोटोकोल के अनुसार विभिन्न योग क्रियाओं तथा प्राणायाम का अभ्यास करवाया। इस अवसर पर योग के प्रचार-प्रसार में अहम योगदान देने के लिए रिटायर्ड जिला शिक्षा अधिकारी श्री ओम प्रकाश आर्य, डॉ. एसके पाहुजा, डॉ. कुशल राज, डॉ. संजय एलावादी, डॉ. राजेश आर्य, डॉ. बलजीत गिरधर, साई, हिसार के प्रभारी श्री हरभजन सिंह, सुनील कुमार, रोहताश आर्य और सुमन सहारण को कुलपति द्वारा सम्मानित किया गया।

रिया ने कराटे में सिल्वर जीत किया विश्वविद्यालय का नाम रोशन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय की छात्रा रिया मलिक ने बैंगलुरू में आयोजित हुई खेलों इंडिया विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिता में कराटे में सिल्वर मेडल प्राप्त किया। उन्होंने 61 किलो ग्राम भार वर्ग में सिल्वर मेडल जीतकर विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने रिया की इस उपलब्धि की प्रशंसा करते हुए उसे बधाई दी और उसके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रशिक्षण में सहभागिता

- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, श्रीनगर में कृषि में मौसम व जलवायु जोखिमों का प्रबंधन विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में पुरस्कार प्राप्त किया। इस राष्ट्रीय सेमिनार में विश्वविद्यालय के शोधकर्ता करिशमा नन्दा, डॉ. संदीप आर्य व राहुल द्वारा 'फिजीयोलोजिकल स्टडी फॉर अंडर स्टोरी बारले क्रॉपस इन मेलिया डूबिया बेस्ड एग्रोफोरस्ट्री सिस्टम एंड इटस रोल इन क्लाइमेट चेंज मीटिगेशन' विषय पर लिखे गए शोधपत्र को 'न्यू क्रॉप फॉर न्यू क्लाइमेट-इनोवेटिव ब्रीडिंग प्रैक्टिसिस फॉर क्लाइमेट रेजिलिएंट एग्रीकल्चर' थीम के अंतगर्त पुरस्कृत किया गया जिसकी उतकृष्ट प्रस्तुति पर इन शोधकर्ताओं को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया।

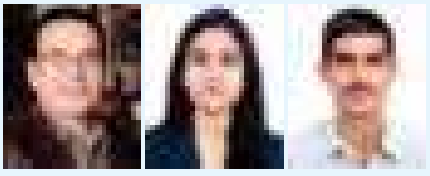

- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बागवानी विभाग के एसिसटेंट प्रोफैसर डॉ. अरविंद मलिक को बागवानी के क्षेत्र में उनके सर्वश्रेष्ठ योगदान के लिए आउटस्टैंडिंग एचिवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में कृषि एवं प्रौद्योगिकी विकास समिति की ओर से कृषि व संबद्ध विज्ञान में नवीन और वर्तमान प्रगति विषय पर आयोजित चौथे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बागवानी के विकास में उनके योगदान की सराहना करते हुए उन्हे यह अवार्ड प्रदान किया गया।

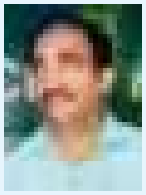

- कृषि महाविद्यालय के वैज्ञानिकों और छात्रों ने श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर-जयपुर में इंडियन फाइटोपैथोलॉजीकल सोसायटी द्वारा 'पौध रोग: पुनरावलोकन और संभावनाएं' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लिया और उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सम्मेलन में 'विश्व में फसलों की नई बीमारियों एवं उनके कारक' थीम के अंतर्गत डॉ. विनोद मलिक ने पहला स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार डॉ. मनोज कुमार बुसवाल ने 'स्क्रीन हाउस परिस्थितियों में आलू के काले धब्बों का प्रबंधन' विषय में और डॉ. मनजीत सिंह घणघस ने 'महामारी विज्ञान और फसल मूल्यांकन' थीम के अंतर्गत पहला स्थान प्राप्त किया। विभाग के विद्यार्थी प्रीती वर्मा एवं अंशुल ने भी जोनल स्तर पर हुए सम्मेलन में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

संक्षिप्त समाचार

कृषि अभियान्त्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय

- कृषि अभियान्त्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की छात्रा साक्षी चुघ को बेस्ट केडेट और बेस्ट स्पीकर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। साक्षी ने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' विषय पर 20 पंजाब बटालियन द्वारा मलोट, पंजाब में आयोजित एन.सी.सी. के 12 दिवसीय कैम्प में अपनी प्रतिभा का उम्दा प्रदर्शन करते हुए ये अवार्ड जीते। ब्रिगेडियर राजीव शर्मा एवं कर्नल के. एस. माथुर ने उन्हें ये अवार्ड देकर सम्मानित किया। इस कैम्प में देश के विभिन्न प्रांतों के 600 केडेट ने भाग लिया था।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय

- मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग की छात्रा प्रियंका को उसके पीएचडी शोध कार्य पर आधारित शोध-पत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्रदान किया गया। यह पुरस्कार उन्हे डॉ. बी.आर. अम्बेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर, पंजाब में भौतिक विज्ञान विभाग, मानविकी व प्रबंधन विभाग, गणित एंव इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एप्लाइड साइंस एंड इंजीनियरिंग में नवाचारों पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में दिया गया।
- भौतिक विज्ञान विभाग के छात्र सुनील कुमार ने भौतिक विज्ञान विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा आयोजित साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यक्रम दौरान आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।

छात्र कल्याण निदेशालय

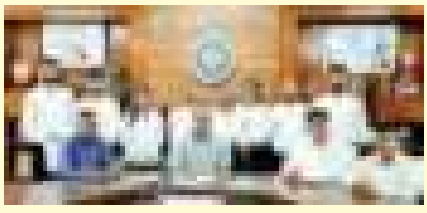

- विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय के अंतर्गत छात्र परामर्श एवं नियोजन इकाई द्वारा मदर डेयरी कंपनी के सहयोग से आयोजित किए गए कैंपस प्लेसमेंट कार्यक्रम में अक्षय कुमार, राहुल राज भारती, सचिन, कुमारी सुप्रिया, शिवेंदर धीमन, प्रियंका नारंग और आनंद नामक छात्र-छात्राओं का चयन हुआ।

- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सुरेन्द्र कुमार पाहुजा मुख्य अतिथि थे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने की। डॉ. पाहुजा ने राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत समाज कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा राष्ट्रीय सेवा योजना जीवन जीने का तरीका सिखाती है। छात्रों को इस योजना के साथ जुड़कर समाज के उत्थान के लिए अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने गीता के प्रसंगों के माध्यम से छात्रों को समाज सेवा के द्वारा अपने व्यक्तित्व विकास के लिए मार्गदर्शन किया। शिविर के दौरान छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देते हुए छोटे पौधों की देखभाल का अभियान चलाया।
- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के म्यूजिक एवं ड्रामेटिक क्लब द्वारा भारत का अमृत महोत्सव कार्यक्रम की श्रृंखला में 'कला एवं ध्यान' विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने कहा ध्यान एक क्रिया है जिसमें व्यक्ति अपने मन को चेतना की एक विशेष अवस्था में लाने का प्रयास करता है। उन्होंने कहा ध्यान क्रिया का मुख्य उद्देश्य मन को साध लेना होता है। उन्होंने रचनात्मक एवं क्रियात्मक दोनों प्रारूपों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की और योगी परमहंस योगानंद जी के जीवन में घटित अनेकों संस्मरणों के विषय पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने की। कार्यक्रम में सहायक प्रोफैसर डॉ. सीमा परमार ने अपना वक्तव्य रखते हुए योग की विविध क्रियाओं एवं जीवन चक्रों को विस्तार पूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में मन की एकाग्रता का बहुत अधिक महत्व हैं। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हमें ठहराव की आवश्यकता है जिसे ध्यान क्रिया द्वारा सहज रूप से प्राप्त किया जा सकता है। इस अवसर पर डॉ. संजय, डॉ. संध्या शर्मा एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान

- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में 21 से 23 मई तक बेलगिरी के मूल्य संवर्धन (वैल्यू एडिशन) विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। उपरोक्त संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा व इस प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. डी.के. शर्मा ने बताया कि इस प्रशिक्षण में प्रशिक्षणार्थियों को बेलगिरी से विभिन्न प्रकार के पेय पदार्थ बनाकर दिखाए गये।
- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा बेकरी उत्पादों पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। संस्थान के सहनिदेशक डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के मार्गदर्शन में संस्थान की ओर से रोजगार के अवसर देने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम निरंतर करवाए जाते हैं। प्रशिक्षण में विभिन्न जिलों से 21 बेरोजगार महिलाओं एवं युवतियों ने भाग लिया। इस अवसर पर विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण दौरान प्राप्त ज्ञान को रोजगार का जरिया बनाने का आह्वान किया।
- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान व कीट विज्ञान विभाग द्वारा विश्व मधुमक्खी दिवस मनाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के मार्गदर्शन में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल मुख्यातिथि थे। डॉ. बलवान सिंह ने कहा कि मधुमक्खी पालन आमदनी प्राप्त करने का बढ़िया स्त्रोत है। बेरोजगार युवा मधुमक्खी पालन को अपनाकर अपना रोजगार शुरू कर सकते हैं और किसान इसको सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं।

फीडबैक

मीडिया एडवाइज़र
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार- 125 004
दूरभाष : 01662-284330, 289307
ई-मेल : mediaadvisorhau@gmail.com / prohaunews@gmail.com

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय
हिसार- 125 004 (हरियाणा), भारत
(1970 की संसदीय अधिनियम संख्या 16 द्वारा संस्थापित)
दूरभाष : 01662-237720-21, 289502-10
वेबसाईट : www.hau.ac.in

Published by Media Advisor on behalf of CCS Haryana Agricultural University, Hisar. Printed at : Dorex Offset, Hisar Mob. 98960-11117